हर अंक विशेष

अंक मार्च 2017

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : चाबुक / **8**

व्यंग्य

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : स्वर्ग में विचार-सभा का अधिवेशन /**11**
प्रतापनारायण मिश्र : उपाधि / **14**
विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक' : दुबेजी की चिट्ठियाँ / **16**
पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र' : सनकी अमीर / **19**
अमृतलाल नागर : भारतपुत्र नौरंगीलाल / **25**
गोपाल प्रसाद व्यास : ठंड : आज़ादी : समाजवाद! / **29**
हरिशंकर परसाई : टार्च बेचनेवाले / **31**
नागार्जुन : बम्भोलेनाथ **34**
श्रीलाल शुक्ल : लेखनी-विलास उर्फ लिखने की मजबूरी / **36**
शरद जोशी : मुद्रिका रहस्य उर्फ असली किस्सा कुमारी शकुन्तला का / **39**
विष्णु नागर : चिर यौवन का नुस्खा है नेता बनें /**47**
अंजनी चौहान : यथास्थिति और अंगद का पाँव / **50**
राजेन्द्र प्रसाद सक्सेना : परिसंवाद /**52**

संवाद

गगन गिल से रेखा सेठी की बातचीत /**56**
मशहूर रंग निर्देशक वामन केन्द्रे से व्योमेश शुक्ल की बातचीत / **62**

तंज़-ओ-मिज़ाह

उर्दू शायरी में व्यंग्य विनोद— प्रस्तुति : जानकीप्रसाद शर्मा /**69**

हाशिये का अस्ल रंग : एक

श्याम मुंशी : भूपाल-ओ-भोपाल/ **75**

कविता इधर

सर्वेश सिंह : बाढ़ में कवि, लौट जाओ बेटी, ऋतुसंहार/ **81**
विनय कुमार : वाइरस हैं ये सब सवाल तेरे, चाँद पे एक प्लॉट हो अपना, कल को मुमकिन है रस्म ए सियासत न हो /**85**

छन्द राग

अनूप अशेष : चैत का मैं चन्द्रमा हूँ, सोहाग-गीत /**88**
यश मालवीय : शोकसभा में बजा मोबाइल, एक चाँद ईद का, चुप्पी का पहाड़ा /**89**